ओ३म्

सुधारक

गुरुकुल झज्जर का लोकप्रिय मासिक पत्र

वर्ष ७१ | अंक १२ | अगस्त २०२४ | श्रावण १ | संवत् २०८१ | वार्षिक मूल्य १५० रु०

भारत की स्वतंत्रता हेतु बलिदान देने वाले वीरों को श्रद्धाजंलि देते हुए शहीद-स्मृति अंक और अन्न संग्रह विशेषांक

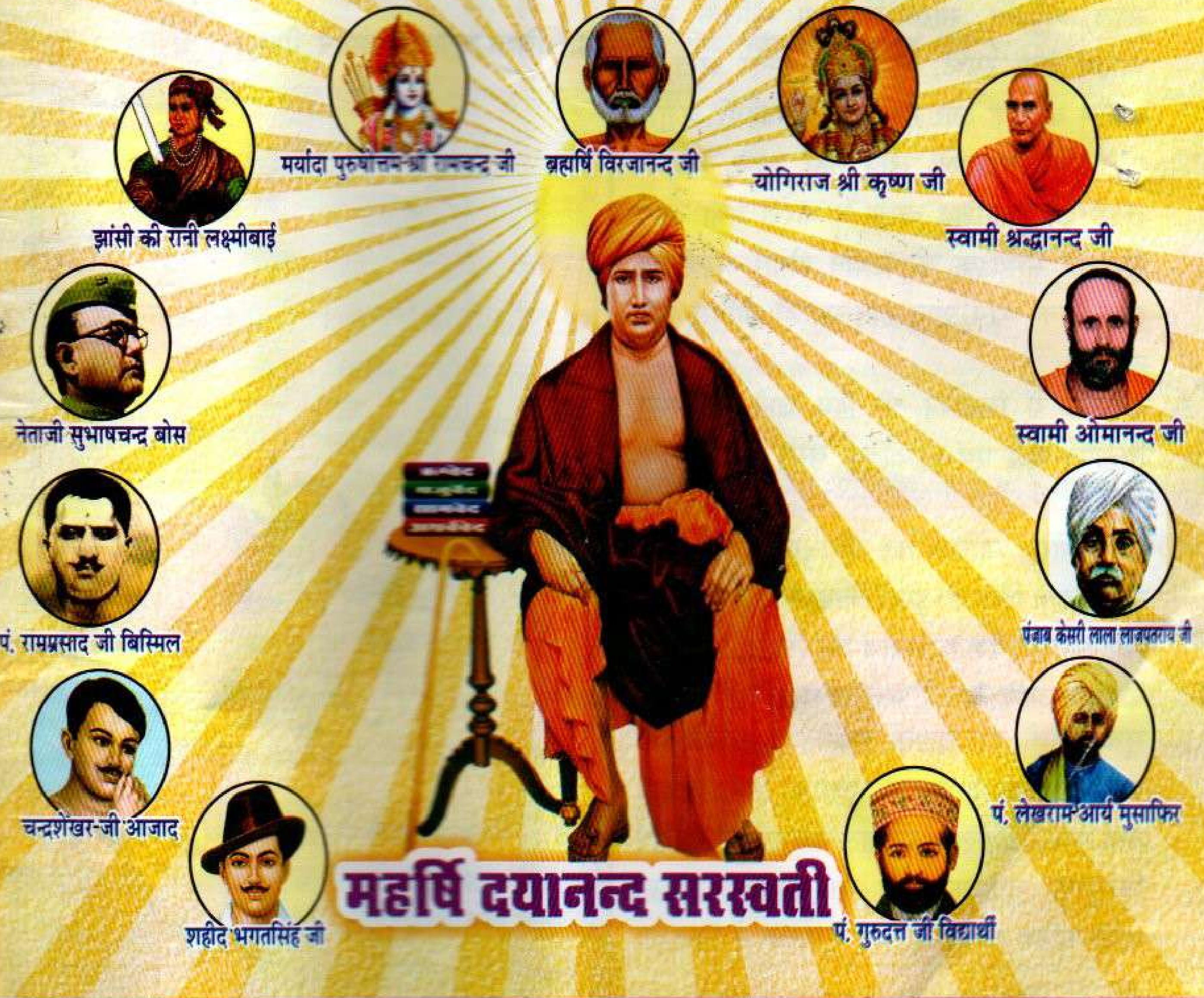

संस्थापक : स्व० स्वामी ओ३मानन्द सरस्वती
सम्पादक : विरजानन्द दैवकरणि
प्रधान सम्पादक : आचार्य विजयपाल
व्यवस्थापक : ब्र० प्रिंस आर्य

सुधारक के नियम व सविनय निवेदन

1. सुधारक का वार्षिक शुल्क 150 रुपये है तथा आजीवन सदस्यता शुल्क 1500 रुपये है।
2. यदि सुधारक 20 तारीख तक नहीं पहुंचता है तो आप व्यवस्थापक सुधारक के नाम से पत्र डालें। पत्र मिलते ही सुधारक पुनः भेज दिया जाएगा।
3. वार्षिक शुल्क तथा आजीवन शुल्क मनीआर्डर द्वारा '**व्यवस्थापक सुधारक**' के नाम भेजें। सुधारक वी.पी. रजिस्ट्री द्वारा नहीं भेजा जाएगा।
4. लेख सम्पादक सुधारक के नाम भेजें, लेख छोटे, सरल, संक्षिप्त, सारगर्भित तथा मौलिक होने चाहिएं तथा स्पष्ट, शुद्ध एवं सुन्दर लेख में कागज के एक ओर लिखे जाने चाहिएं। अशुद्ध एवं गन्दे लेखवाला लेख नहीं छापा जाएगा। लेखों को प्रकाशित करना न करना तथा उनमें संशोधन सम्पादक के अधीन होगा। अस्वीकृत लेख डाक-व्यय प्राप्त होने पर ही वापिस भेजे जाएंगे।
5. सुधारक में विज्ञापन भी दिए जाते हैं, परन्तु विज्ञापन शुद्ध एवं वास्तविक वस्तु का ही दिया जाएगा।
6. यह सुधारक मासिक पत्र समाजसुधार की दृष्टि से निकाला जाता है। इसमें आपको धर्म, यज्ञकर्म, समाजसुधार, देश व समाज की स्थिति, ब्रह्मचर्य, योगासन आदि विषयों पर लेख पढ़ने को मिलेंगे।
7. सुधारक के दस ग्राहक बनानेवाले सज्जन को एक वर्ष तक निःशुल्क सुधारक भेजा जाएगा तथा पचास ग्राहक बनानेवाले सज्जन को दो वर्ष निःशुल्क सुधारक भेजा जाएगा तथा उसका फोटो सहित जीवन परिचय सुधारक में निकाला जाएगा।

–व्यवस्थापक

वर्ष : 71 अंक : 12

अगस्त 2024 विक्रमाब्द 2080

दयानन्दाब्द 195 कलिसंवत् 5119

सृष्टिसंवत्-1, 96, 08, 53, 119

विषय-सूची

क्र.सं.	विषय	पृष्ठ
1.	वेदोपदेश	1
2.	सम्पादकीय	2
3.	अन्न संग्रह	3
4.	विद्या बनाम वर्तमान शिक्षा	22

नोट :- लेखक अपने लेख का स्वयं जिम्मेवार होगा।

सुधारक मासिक पत्र का वार्षिक शुल्क १५० रुपये भेजकर स्वयं ग्राहक बनें और दूसरे साथियों को भी ग्राहक बनाकर सुधार कार्य में सहयोग दीजिये।

-व्यवस्थापक सुधारक

ओ३म्

वेदोपदेश

ऋचं वाचं प्रपद्ये मनो यजुः प्रपद्ये साम प्राणं प्रपद्ये ।
चक्षुः श्रोत्रं प्रपद्ये । बागोजः सहजो मयि प्राणापानौ ॥ यजु०:३६, १ ॥

हे प्रभो ! मैं पूर्ण पुरुष बनूंगा । जैसे कि तू पूर्ण है, तेरी सृष्टि पूर्ण है, वैसे ही मैं भी तेरा पूर्ण पुरुष बनूंगा । तूने इस पूर्णता के लिए मेरे अन्दर स्वयमेव सब सामग्री जुटा रखी है। इस प्रयोजन के लिए मैं ऋक् रूप वाग्देव की शरण आऊँगा, यजुरूप मनोदेव की शरण लूंगा और सामरूप प्राण- देव की शरण पकड़ूंगा । इस प्रकार अपनी तीनों शक्तियों को प्राप्त कर लूंगा। बाणी की भारी शक्ति को सम्पूर्ण ऋग्वेद द्वारा, सम्पूर्ण ज्ञानकाण्ड द्वारा, सम्पूर्ण श्रवण द्वारा प्राप्त कर लूंगा । सम्पूर्ण यजुर्वेद द्वारा, कर्मकाण्ड द्वारा, मन द्वारा अपनी मनः (दर्शन) शक्ति को समृद्ध कर लूंगा और अपनी प्राण शक्ति को सम्पूर्ण सामवेद, उपासनाकाण्ड और निदिध्यासनों द्वारा प्रदीप्त कर लूंगा। इसी प्रकार चक्षु (विज्ञान) की महान शक्ति को, श्रोत्र की विस्तृत शक्ति को, अन्य सब इन्द्रियों और अंगों की शक्ति को प्राप्त कर लूंगा । प्रत्येक अंग की शक्ति को इतनी पूर्णता के साथ प्राप्त कर लूंगा कि मुझे उस उस अंग का ओज भी मिल जायगा । 'ओज' वह सर्वोत्कृष्ट शक्ति है या शक्ति का वह सर्वोत्कृष्ट रूप है जिसे आत्मिक तेज समझना चाहिए । जब मैं अपनी वाक् आदि सब इन्द्रियों का या आत्माङ्गों का ओज प्राप्त कर लूंगा तो आत्मा का 'सह ओज' भी, सम्पूर्ण शरीर का साम्- सम्पूर्ण ढिक तेज भी, मुझे सहज में ही प्राप्त हो जावेगा और इस ओज प्राप्ति से मेरा जीवन परिपूर्ण जीवन हो जावेगा। परिपूर्ण जीवन में 'प्राण' और 'अपान' नाम की जो दो जीवन क्रियायें ठीक प्रकार से चला करती हैं मुझ में अपना ठीक काम करती हुई स्थिर रहेंगी। ये आदान और विसर्ग की क्रियायें जब जहां बिगड़ती हैं तभी वहां जीवन बिगड़ता है और ह्रास होता है। अतः मुझ में जब इन प्राणापान क्रियाओं के द्वारा शारीरिक भोजन का प्रदान तथा शारीरिक दोषों का विसर्ग ठीक प्रकार होता रहेगा, एवं मानसिक और आत्मिक भोजन का भी प्रदान तथा मानसिक और आत्मिक मलों का विसर्ग ठीक प्रकार होता रहेगा, तो उस समय मेरा जीवन (शारीरिक, मानसिक और आत्मिक जीवन) परिपूर्ण जीवन बन जायेगा, और हे प्रभो? मैं तेरा परिपूर्ण पुरुष कहला सकूँगा।

शब्दार्थ--

मैं (**ऋचं वाचं**) ऋक् रूप वाक् को (**प्रपद्ये**) प्राप्त करता हूँ, (**मनः यजुः**) यजु रूप मन को (**प्रपद्ये**) प्राप्त करता हूं (**साम प्राणं**) साम रूप प्राण को (**प्रपद्ये**) प्राप्त करता हूँ और (**चक्षु श्रोत्रं**) चक्षु श्रोत्र श्रादि को (**प्रपद्ये**) प्राप्त करता हूँ । ये (**वाक्**) वाक्शक्ति आदि (**ओजः**) वाक् आदि का ओज तथा (**सह ओजः**) इनका इकटठा ओज (**प्राणापानौ**) एवं प्राण-अपान क्रिया, आदान और विसर्ग क्रिया (**मयि**) मुझ में होवें, ठीक प्रकार होती रहें ।

सम्पादकीय

दान का महत्त्व और दानियों का धन्यवाद

गुरुकुल झज्जर के निकटवर्ती कुछ ग्रामों के दानी सज्जन अपनी कष्ट कमाई में से गुरुकुल की गोशाला और निर्धन ब्रह्मचारियों के भोजनार्थ प्रतिवर्ष अन्न और धन का दान किया करते हैं। इस बार भी उन्होंने अपनी पुरानी दानशीलता की परिपाटी को यथापूर्व प्रचलित रक्खा हैं, जिनकी सूची सुधारक के इसी अंक में धन्यवाद सहित प्रकाशित की जा रही है।

सात्विक दान वही कहलाता है जो दाता द्वारा दान में दी गई वस्तु का स्वयं भी उपयोग कर सके। कुछ दानदाता ऐसे भी होते हैं जैसे कोई वस्त्र पुराना हो गया, उसे किसी गरीब को दे दिया, भोजन बासी बच गया वह किसी भिखारी को दे दे। ऐसा दान तामसिक दान होता है। अपनी मान बडाई के लिये दिया गया दान राजसिक नाम से पुकारा जाता है।

दानदाता को यह भी विचार करना चाहिये कि मेरे द्वारा दिये गये दान का सदुपयोग भी होता है या नहीं? अनेक लोग झूठ-मूठ की संस्था के नाम से धन एकत्र करके कनिजी ऐश आराम की पूर्ति हेतु उसका प्रयोग करते हैं, ऐसे लोगों की छान-बीन करके ही दानी सज्जनों को दान देना उचित है। किसी की उदारवृत्ति का दुरुपयोग करना पाप की कोटि में आता है।

कुछ धनी व्यक्ति अपने अधीन कार्य करने वाले मजदूरों की मजदूरी से वेतन काट कर दान देते हैं, उसका फल उन्हें नहीं मिलता। अतः अपने परिश्रम से कमाई हुई सम्पत्ति में से स्वेच्छा से दान देना चाहिये। असहाय, वृद्ध, रोगी, विकलांग और अनाथों को दिया गया धन दाता का कल्याण करता है।

वेद, उपनिषद्, स्मृतिग्रन्थ, रामायण और महाभारत आदि ग्रन्थों में दान की बहुत महिमा बताई गई है।

ऋग्वेद का कथन हैं- **उतो रयिःपृणतो नोपदस्यति** (१०.११६.३) दानी का धन कभी नहीं घटता।

गोदा ये वस्त्रदाः सुमगास्तेषु रायः (५.४२. ८) जो गाय और वस्त्रों का दान करते हैं, उन्हें सौभाग्यशालिनी लक्ष्मी मिलती हैं।

न स सखा यो न ददाति सख्ये (१०.११७. ४) वह मित्र, मित्र नहीं है जो आवश्यकता पड़ने पर अपने मित्र की सहायता नहीं करता।

दक्षिणावन्तः प्रतिरन्त आयुः (१.१२५.६) ज्ञानियों की आयु बढ़ती है।

क्षुद्म्यों वय आसुतिं दाः (१.१०४.७) भूख से पीड़ितों को अन्न और जल प्रदान कर।

रिष्यन्ति न व्यथन्ते ह भेजाः (१०.१०७.८) दानियों को हानि और कष्ट नहीं होता।

प्रयच्छन्तु प्रदातव्यं मा वः कालोऽत्यगादयम् (महाभारत उद्योग. २०.१२) जो देना हो वह अभी दे दो, कहीं समय हाथ से न निकल जाये।

दातव्यं चाप्यपीड़या (शान्तिपूर्व ८७.२३) स्वयं को कष्ट न देते हुए ही दान देना चाहिये।

दातव्यमित्ययं धर्म उक्तो भूतहिते रतैः (शान्ति.२५९.७) सभी प्रणियों के हित में लगे हुए पुरुषों ने दान को धर्म बताया है।

पापेभ्यो हि धनं दत्तं दातारमपि पीडयेत् (कर्णपर्व 67.65) पापियों को धन देने से दाता को भी कष्ट मिलता है।

इस प्रकार वैदिक साहित्य में दान की महिमा के अनेक प्रमाण मिलते हैं। अतः अपने कल्याण के लिये भी दाता को दान अवश्य करना चाहिये। यदि दान नहीं देगा और स्वयं भी धन का उपयोग नहीं करेगा तो धन की तीसरी गति नाश होनी ही है।

दानं भोगो नाशस्तिस्रो गतयो भवन्ति वित्तस्य।
यो न ददात्ति न भुक्ते तस्य तृतीया गतिर्भवति ।।
(निति:)

आशा है दानी महानुभाव दान की महिमा को देखते हुए स्वयं तो दान दें ही, अपनी भावी सन्तति को भी इस पुण्य कार्य हेतु उत्साहित किया करें।

-विरजानन्द दैवकरणि
९४१६०५५७०२

1. अनाज मण्डी झज्जर

अनाज मण्डी झज्जर का अन्नसंग्रह श्री आचार्य विजयपाल योगार्थी द्वारा किया गया। जिसमें श्री साधुराम जी महराणा एवं दलजीत (छोटेलाल) सिलानी ने साथ घूमकर अन्नसंग्रह करवाने में अपना पूर्ण योगदान किया तथा अपना भी योगदान दिया। अतः गुरुकुल परिवार की ओर से विशेष धन्यवाद के पात्र हैं। अन्य सभी दानी सज्जनों का भी धन्यवाद।

अन्न दान करने वाले व्यक्ति

किलो

500 श्री हर्ष बच्छराज ट्रेडिंग कम्पनी दु. नं. 32 (9,1)
300 श्री ओ३म् ट्रेडिंग कम्पनी जयवीर दु. नं. 11
300 श्री मूलचन्द दु. नं. 9
300 श्री मल्हान ट्रेडिंग कम्पनी दु. नं. 8
300 श्री देवेन्द्र ट्रेडिंग कम्पनी दु. नं. 12
300 श्री खरब ट्रेडिंग कम्पनी दु. नं. 38
300 श्री छोटेलाल रमेशचन्द्र ट्रेडिंग कम्पनी दु. नं. 35
300 श्री गुप्ता ट्रेडिंग कम्पनी दु. नं. 34

300 श्री आर.पी. सिंह ट्रेडिंग कम्पनी दु. नं. 33
300 श्री के.वी.सिंह ट्रेडिंग कम्पनी दु. नं. 51
300 श्री दलाल ट्रेडिंग कम्पनी दु. नं. 29
300 श्री राव ट्रेडिंग कम्पनी दु. नं. 25
300 श्री एम.एस धनखड़ दु. नं. 82
300 श्री देशवाल ट्रेडिंग कम्पनी दु. नं. 10
300 श्री हरेन्द्र सिलाना प्रधान दु. नं. 16
200 श्री ओमप्रकाश ट्रेडिंग कम्पनी दु. नं. 55
100 श्री गरीबदास ट्रेडिंग कम्पनी दु. नं. 53
100 श्री अहलावत ट्रेडिंग कम्पनी दु. नं. 26
100 श्री रविन्द्र सिलानी दु. नं. 15
100 श्री शिव ट्रेडिंग कम्पनी दु. नं. 21
100 श्री संदीप ट्रेडिंग कम्पनी दु. नं. 22
100 श्री कपूर ट्रेडिंग कम्पनी दु. नं. 10
50 श्री स्वामी नितानन्द ट्रेडिंग कम्पनी दु. नं. 27
50 श्री चान्दसिंह पहलवान दु. नं. 2

कुल अन्न दान 5600 किलो

2. अनाज मण्डी बेरी

अनाज मण्डी बेरी का अन्नसंग्रह श्री आचार्य विजयपाल जी गुरुकुल झज्जर द्वारा किया गया। जिसमें श्री महेन्द्र सिंह प्रधान आर्यसमाज बेरी, महेन्द्र सिंह आर्य ट्रेडिंग कम्पनी, मास्टर रामफल आर्य बेरी ने साथ घूमकर अन्नसंग्रह करवाने में अपना पूर्ण मनोयोग से साथ दिया तथा अपना अन्न भी दिया। अतः गुरुकुल परिवार की ओर से विशेष धन्यवाद के पात्र हैं। अन्य सभी दानी सज्जनों का भी धन्यवाद।

अन्न दान करने वाले व्यक्ति

किलो
300 श्री महेन्द्र सिंह ट्रेडिंग कम्पनी दु. नं. 33
300 श्री छोटूराम एण्ड संस दु. नं. 23
200 श्री भरत सिंह एण्ड संस दु. नं. 74
200 श्री मेहर सिंह ट्रेडिंग कम्पनी दु. नं. 10
200 श्री इन्सपैक्टर अजय राठी मण्डी बेरी
150 श्री वेदप्रकाश आशीषकु दु. नं. 38
150 श्री नवदीप ट्रेडिंग कम्पनी दु. नं. 81
150 श्री विक्रम ट्रेडिंग कम्पनी दु. नं. 76
150 श्री राजेन्द्र एण्ड संस दु. नं. 24
100 श्री महेन्द्र सिंह प्रधान आर्यसमाज बेरी
100 श्री सुनील कुमार बाबा हरिदास ट्रेडिंग कम्पनी दु. नं. 37
100 श्री सेठ सतीश गोयल ट्रेडिंग कम्पनी दु. नं. 39
100 श्री गोहाना ट्रेडिंग कम्पनी
100 श्री लाला जगदीश प्रसाद एण्ड सन्स दु. नं. 69
100 श्री प्रीत सिंह एण्ड सन्स दु. नं. 70
100 श्री राजेश कुमार आशीष कुमार दु. नं. 75
100 श्री जगवीर काधान ट्रेडिंग कम्पनी दु. नं. 2
100 श्री बिल्लू पहलवान ट्रेडिंग कम्पनी दु. नं. 5
100 श्री बंसल ट्रेडिंग कम्पनी दु. नं. 9
100 श्री किसान सेवा केन्द्र दु. नं. 11
50 श्री तेजवीर ट्रेडिंग कम्पनी दु. नं. 40

50 श्री अजय कुसान ट्रेडिंग कम्पनी दु. नं. 65
50 श्री जमीदार ट्रेडिंग कम्पनी दु. नं. 73
50 श्री देव एण्ड ट्रेडिंग कम्पनी दु. नं. 80
50 श्रीलक्ष्मी एण्ड सन्स ट्रेडिंग कम्पनी दु.नं. 79
50 श्री नरेश कुमार दिनेश कुमार दु. नं. 94
50 श्री डॉ सत्यपाल बालाजी ट्रेडिंग कम्पनी दु. नं. 3
50 श्री मयंक ट्रेडिंग कम्पनी दु. नं. 4
50 श्री राजवीर सिंह ट्रेडिंग कम्पनी दु. नं. 14
50 श्री सतनाम ट्रेडिंग कम्पनी दु. नं. 16
50 श्री जयनारायण ट्रेडिंग कम्पनी दु. नं. 18
50 गुप्त दान

कुल अन्न दान 3500 किलो

नकद दान देने वाले व्यक्ति

रुपये
2100 श्री राजेन्द्र ट्रेडिंग कम्पनी दु. नं.27
1100 श्री निरंजन सिंह सु. श्री भीम सिंह 20
500 मा. रामफल आर्य

कुल नकद दान 3700 रुपये

3. गांव सिलानी

गांव सिलानी का अन्न संग्रह श्री आचार्य विजयपाल जी द्वारा किया गया। जिसमें श्री दलजीत (छोटेलाल) सु. श्री दलपत, श्री अरविन्द शास्त्री सु. श्री तस्वीर सिंह एवं नरेन्द्र आर्य सु. श्री रामकिशन आर्य ने साथ घूमकर अन्नसंग्रह करवाने में पूर्ण सहयोग दिया और अपनी तरफ से भी अन्न-धन प्रदान किया। अत: गुरुकुल परिवार की ओर से विशेष धन्यवाद के पात्र हैं। अन्य सभी दानी सज्जनों का भी धन्यवाद।

अन्न दान करने वाले व्यक्ति

किलो
500 श्री अनिल कुमार (घोड़ा) सु० श्री भूपसिंह
200 श्री वेदपाल सु० श्री कमलसिंह नम्बरदार
100 श्री दलजीत (छोटेलाल) सु० श्री दलपत
100 श्री राजेश सु० श्री भरतू
100 श्री देवेन्द्र सु० श्री रामकिशन
100 श्री सतीश सु० श्री सुल्तानसिंह
100 श्री राजवीर पहलवान सु० श्री कमलसिंह नम्बरदार
100 श्री दरयावसिंह सु० श्री किशोरी
100 श्री जगदीश सु० श्री रामकला
100 श्री समुन्द्र सु० श्री रामस्वरूप
100 श्री सत्यपाल सु० श्री राममेहर सूबेदार
100 श्री राजकुमार सु० श्री कलीराम सरपंच
100 श्री कृष्ण सु० श्री आजद सिंह
100 श्री ओमप्रकाश सु० श्री हरीचन्द
50 श्री होश्यारे सु० श्री इन्द्रराज
50 श्री रमेश सु० श्री जिलेसिंह
50 श्री ओ३म् सु० श्री नत्थू
50 श्री सुमेर सु० श्री किताब सिंह
50 श्री महेन्द्र सु० श्री रज्जू
50 श्री राकेश सु० श्री नत्थू

50 श्री दिलबाग सिंह सु० श्री सूरतसिंह
50 श्री राजसिंह सु० श्री ओ३म्
50 श्री राजेश सु० श्री सूरतसिंह
50 श्री मनोज सु० श्री ओमप्रकाश
50 श्री विजयेन्द्र सु० श्री शेरसिंह
50 श्री जितेन्द्र सु० श्री मुख्त्यार सिंह
50 श्री पवन सु० श्री पारस
50 श्री काले सु० श्री पूर्णसिंह
50 श्री बब्लू सु० श्री मांगेराम
50 श्री बलजीत सु० श्री सूबेसिंह
50 श्री धमेन्द्र सु० श्री रणवीर
50 श्री राजकुमार सु० श्री जयसिंह
50 श्री नसीब सु० श्री सत्यवीर
50 श्री हवासिंह सु० श्री लहरी
50 श्री राजसिंह सु० श्री लहरी
50 श्री राजसिंह सु० श्री टेका सरपंच
50 श्री अशोक सु० श्री जयसिंह
50 श्री पप्पू सु० श्री दलेल
50 श्री मनजीत सु० श्री पण्डित कृष्ण
50 श्री कपिल सु० श्री सत्यपाल
50 श्री पाल सु० श्री नफेसिंह
50 श्री ऋषिपाल सु० श्री नफेसिंह
50 श्री जयभगवान सु० श्री कलीराम
50 श्री सूर्यपाल सु० श्री आजादसिंह
50 श्री विजयेन्द्र सु० श्री चन्द्र मिस्त्री
50 श्री रामनिवास सु० श्री हरीचन्द
50 श्री राजेन्द्र सु० श्री प्रताप सिंह
40 श्री रामवीर सु० श्री कमलसिंह नम्बरदार
40 श्री धर्मपाल सु० श्री ईश्वर
40 श्री सुरेश सु० श्री शुभराम
40 श्री सुरेन्द्र सु० श्री सूरतसिंह
40 श्री तेजपाल सु० श्री नारायण सिंह
40 श्री सुखवीर सु० श्री रामकिशन
30 श्री दीपक सु० श्री धर्मवीर
30 श्री जयवीर सु० श्री हीरासिंह
30 श्री चरणसिंह सु० श्री मींहू
30 श्री सोमवीर सु० श्री शुभराम
30 श्री रामचन्द्र सु० श्री सूरतसिंह
30 श्री मनजीत सु० श्री राजपाल
20 श्री पप्पू सु० श्री सूबेसिंह
20 श्री महेन्द्र सु० श्री नफेसिंह
20 श्री पण्डित रामकिशन सु० श्री मीठा

कुल अन्न दान 40:30 किलो

नकद दान देने वाले व्यक्ति

रुपये
5100 श्री मा. अजीत सिंह सु० श्री टेकचन्द
5100 श्री महाशय रामकिशन आर्य
4500 श्री मा. आजाद सिंह सु० श्री जौखीराम
4100 श्री प्रदीप अजीत सिंह सु० श्री भीमसिंह
3100 श्री अरविन्द सु० श्री तस्वीर सिंह
2500 श्री राजकुमार सु० श्री चन्द्रसिंह
2100 श्री संजय आर्य सु० श्री महावीर सिंह
2100 श्री बलजीत सु० श्री दलपत सिंह

2000 श्री तेजसिंह सु० श्री फतेह सिंह
1100 श्री रमेश सु० श्री जिले सिंह
1100 श्री रोहताश सु० श्री जिले सिंह
1100 श्री राजेश सु० श्री नत्थू
1100 श्री राकेश सु० श्री जगदेव
1100 श्री राजे सु० श्री भरतू
1100 श्री प्रकाश सु० श्री कमल सिंह
1100 श्री कृष्ण सु० श्री रिसाल सिंह
1100 श्री रामवीर सु० श्री लखीराम
1100 श्री ऋषिपाल प्रधान
1100 श्री सत्यपाल सु० श्री सूबेदार राममेहर
1001 श्री ओमप्रकाश प्रधान
500 श्री देवेन्द्र सु० श्री रामकिशन
500 श्री प्रदीप सु० श्री रणवीर
500 श्री संजीत सु० श्री मीर सिंह
500 श्री सतीश सु० श्री लायकराम
500 श्री छोटेलाल सु० श्री मांगेराम
500 श्रीमती बसन्ती
500 श्री भगतसिंह सु० श्री मीरा सिंह
500 श्री महावीर सरपंच
500 श्री ओमपाल सु० श्री नफेसिंह
500 श्री राजेश सु० श्री दयानन्द सरपंच
500 श्री भोलू सु० श्री रामनिवास
500 श्री रमेश सु० श्री सूबेसिंह
500 श्री धीरेन्द्र एडवोकेट
500 श्री सूबेसिंह सु० श्री बालकिशन
110 श्री सतीश सु० श्री मुख्त्यारे
100 श्री सोम सु० श्री मींटू

कुल नकद दान 49810 रुपये

4. गांव खूडन

गांव खूडन का अन्नसंग्रह श्री आचार्य विजयपाल जी योगार्थी द्वारा किया गया। जिसमें श्री वसन्त आर्य सु. श्री प्रेमदेव पहलवान, श्री रामकुंवार सु. मनफूल एवं उमेद सिंह सु. श्री कृष्ण ने साथ घूमकर अन्नसंग्रह करवाने में पूर्ण सहयोग दिया तथा अपना अन्न भी दान दिया। अतः गुरुकुल परिवार की ओर से विशेष धन्यवाद के पात्र हैं। अन्य सभी दानी सज्जनों का भी धन्यवाद।

अन्न दान करने वाले व्यक्ति

किलो
200 श्री रामकुवार सु० श्री मनफूलसिंह
200 श्री उमेद आर्य सु० श्री कृष्ण
150 श्री अजीत सिंह सरपंच सु० श्री भौमसिंह
100 श्री बसन्त आर्य सु0 पहलवान प्रेमदेव आर्य
100 श्री संजय सु० श्री सरदारा
100 श्री हरीपर्ण सु० श्री खजान सिंह
50 श्री मनजीत सु० श्री सहाब सिंह
50 श्री महाशय तुलसीराम
50 श्री दिलबाग सु० श्री मांगेराम
50 श्री जयपाल सु० श्री ओमकुमार
50 श्री कालू सु० श्री बलवीर
50 श्री राजेश सु० श्री रिसाल सिंह

50 श्री जयपाल सु० श्री विश्वंभर
50 श्री धर्मपाल सु० श्री विश्वंभर
50 श्री कृष्ण भाणजा (मूलचन्द)
50 श्री टीकाराम सु० श्री लखीराम
50 श्री दयानन्द सु० श्री मांगेराम
50 श्री आजाद शास्त्री सु० श्री ईश्वर सिंह
40 श्री सत्ये सु० श्री सरदारा
40 श्री नवलसिंह सु० श्री धीरू
40 श्री अजीत सु० श्री उमेद सिंह
40 श्री राजवीर सु० श्री धर्मसिंह
40 श्री मनजीत सु० श्री साहब सिंह
40 श्री अजीत सिंह सु० श्री छाजुराम
40 श्री भूपसिंह सु० श्री दरयावसिंह
40 श्री विद्यासागर सु० श्री विश्वंभर
30 श्री तकदीर सु० श्री दुलीचंद
30 श्री उमेद सिंह सु० श्री प्रभु
30 श्री धर्मपाल सु० श्री थानेदार सु. बिरखे
30 श्री भगवान सु० श्री कपूरसिंह
30 श्री महेन्द्र सु० श्री ओमकुमार
20 श्री राजकुमार सु० श्री मुन्शी
10 श्री अशोक सु० श्री मांगेराम
10 श्री प्रकाश सु० श्री खुशीराम
10 श्री जयपाल सु० श्री सुल्तान
10 श्री पप्पू सु० श्री महासिंह
10 श्री. ऋषि सु० श्री बलराज
10 श्री राजू

कुल अन्न दान 2010 किलो

नकद दान देने वाले व्यक्ति

रुपये
2200 श्री राजसिंह सु० श्री गूगन
2100 श्री मन्जीत नम्बदार
2100 श्री कृष्ण सु० श्री रामवतार
1100 श्री धर्मवीर आर्य फौजी सु० श्रीकलीराम
1100 श्री मा. प्रदीप सु० श्री धूपल
1100 श्री जयवीर सु० श्री रणधीर
1100 श्री रामफल सु० श्री ईश्वर सिंह
1100 श्री विकास सु० श्री धर्मपाल
500 श्री ओमप्रकाश सु० श्री दरयाव सिंह
500 श्री कर्मवीर पहलवान
500 श्री रामचन्द्र सु० श्री रतीराम
500 श्री लीलाराम सु० श्री मांगेराम
500 श्री मा. धर्मवीर सु० श्री धारा सिंह
500 श्री रामफूल सु० श्री चन्दगीराम
500 श्री मा. बलवीर सु० श्री इन्द्राज
200 श्री सत्यवीर सु० श्री सूरजभान
100 श्री धर्मपाल सु० श्री छोटूराम
100 श्री रामचन्द्र मिस्त्री

कुल नकद दान 15800 रुपये

5. ग्राम माजरा दूबलधन

ग्राम माजरा दूबलधन का अन्नसंग्रह श्री आचार्य विजयपाल जी गुरुकुल झज्जर द्वारा किया गया। जिसमें श्री राजसिंह नम्बरदार सु. श्री रामसिंह, श्री विकास सु. श्री वेदपाल एवं श्री

हरीशचन्द्र सु. श्री रतनसिंह ने साथ घूमकर अन्नसंग्रह करवाने में पूर्ण मनोयोग से साथ दिया तथा अपना अन्न भी दिया। अतः गुरुकुल परिवार की ओर से विशेष धन्यवाद के पात्र हैं। अन्य सभी दानी सज्जनों का भी धन्यवाद।

अन्न दान करने वाले व्यक्ति

किलो

100 श्री राजसिंह नम्बरदार सु० श्री रामसिंह

100 श्री बबला सु० श्री बलवीर सिंह

100 श्री दिवान सिंह सु० श्री मा. धर्मवीर

100 श्री देवेन्द्र सु० श्री बनीसिंह

100 श्री विकास सु० श्री वेदपाल

100 श्री वेदमन्त्र सु० श्री वीर सिंह

100 श्री राजसिंह सु० श्री स्वरूप सिंह

100 श्री हरीशचन्द्र सु० श्री रतन सिंह

100 श्री यशपाल सु० श्री ताराचन्द

100 श्री रामवतार सु० श्री तेजराम

100 श्री नरेन्द्र सु० श्री पाल सिंह

100 श्री उदयसिंह सु० श्री नाहन्टाराम

100 श्री ईश्वर सिंह सु० श्री नाहन्टाराम

100 श्री सत्यवीर सु० श्री जुगता

80 श्री धर्मवीर सु० श्री रघुवीर

50 श्री सत्यपाल सु० श्री रामसिंह नम्बरदार

50 श्री जयसिंह सु० श्री रामसिंह नम्बरदार

50 श्री विनोद सरपंच सु० श्री अतरसिंह

50 श्री पवन सु० श्री रणधीर सिंह

50 श्री बलवान सु० श्री राजसिंह

50 श्री सुरेन्द्र सु० श्री पूर्णसिंह

50 श्री भीमसिंह सु० श्री भगवान सिंह

50 श्री अत्तर सिंह सु० श्री भगवान सिंह

50 श्री सत्यवीर सु० श्री धूपसिंह

50 श्री बल्लू सु० श्री हवासिंह

50 श्री सुखवीर सु० श्री राम

50 श्री महावीर सु० श्री जिले सिंह

50 श्री कुलदीप सु० श्री जिले सिंह

50 श्री वासुदेव सु० श्री ताराचन्द

50 श्री नरेन्द्र सिंह सु० श्री महेन्द्र सिंह

50 श्री सत्यवान सु० श्री वेदप्रकाश

50 श्री राजवीर सु० श्री जग्गन सिंह

50 श्री विजय सु० श्री प्रकाश

50 श्री सोमबीर सु० श्री धर्मपाल

50 श्री जसवीर सु० श्री धर्मपाल

50 श्री पवन सु० श्री नसीब सिंह

50 श्री महेन्द्र सु० श्री पृथी सहाब

40 श्री राजसिंह सु० श्री छत्तरसिंह

कुल अन्न दान 26.20 किं.

नकद दान देने वाले व्यक्ति

रुपये

2500 श्री मा. दयानन्द जी सु० श्री मांगेराम

2300 श्री धर्मपाल आर्य सु० श्री शुभाचन्द

1150 श्री विनोद कुमार सरपंच सु0 श्री अत्तर सिंह

1100 श्री दयाकिशन सु० श्री वीर सिंह

1100 श्री सत्यपाल सु० श्री जगवीर

1100 श्री आनन्द सु० श्री मांगेराम
1100 श्री अशोक सु० श्री सत्यपाल
500 श्री सत्यवीर सु० श्री बख्तावर
500 श्री देवेन्द्र सु० श्री भगवान सिंह
500 श्री सुनील सु० श्री रामफल
200 श्री सुरेन्द्र सु० श्री पूर्णसिंह
200 श्री जयपाल सु० श्री धनसिंह

कुल नकद दान 12250 रुपये

झज्जर

2100 श्री संजय आर्य सु० श्री महावीर सिंह
1100 श्री अमित सु० श्री अजीत रैटया

कुल नकद दान 3200 रुपये

6. मण्डी माजरा

किलो

200 श्री संजीत ट्रेडिंग कम्पनी
100 श्री राजेश हलवाई ट्रेडिंग कम्पनी
100 श्री वेद ट्रेडिंग कम्पनी
100 श्री आशीष ट्रेडिंग कम्पनी
100 श्री कृष्ण ट्रेडिंग कम्पनी
50 श्री पवन ट्रेडिंग कम्पनी
50 श्री देशराम
50 श्री अंकित टी.सी.
50 श्री अनुप ट्रेडिंग कम्पनी
50 श्री दादा भैया ट्रेडिंग कम्पनी
50 श्री हिमांशु ट्रेडिंग कम्पनी
50 श्री विक्रम ट्रेडिंग कम्पनी
50 श्री बंसल ट्रेडिंग कम्पनी
50 श्री वीरेन्द्र ट्रेडिंग कम्पनी

8.50 कुल योग

नकद दान

500 रुपये श्री श्याम ट्रेडिंग कम्पनी

7. ग्राम खरमाण

ग्राम खरमाण का अन्नसंग्रह श्री महावीर शास्त्री द्वारा किया गया। जिसमें सत्यवीर आर्य ने साथ घूमकर अन्नसंग्रह करवाने में पूर्ण सहयोग दिया तथा अपना अन्न भी दान दिया। अत: गुरुकुल परिवार की ओर से विशेष धन्यवाद के पात्र हैं। अन्य सभी दानी सज्जनों का भी धन्यवाद।

अन्न दान करने वाले व्यक्ति

किलो

160 श्री सत्यवीर आर्य सु० श्री मांगेराम आर्य
120 श्री कृष्ण सु० श्री मांगेराम आर्य
100 श्री उमेद सु० श्री मांगेराम आर्य
70 श्री अजय सु० श्री हरद्वारी लाल
70 श्री सुनिल सु० श्री प्रताप सिंह
50 श्री नरेन्द्र सु० श्री भूपसिंह
50 श्री दयानन्द सु० श्री सन्तराम
50 श्री शमशेर सु० श्री थानसिंह
50 श्री धर्मसिंह सु० श्री मांगेराम
40 श्री सुनिल सु० श्री कमलसिंह
40 श्री महा. सूरजभान सु० श्री जीतराम

40 श्री राजपाल सु० श्री महासिंह
40 श्री सुनिल सु० श्री राजेन्द्र
40 श्री संजय सु० श्री होश्यार सिंह
40 श्री धर्मवीर सु० श्री सरदारे
35 श्री सुभाष सु० श्री हवासिंह
25 श्री ईश्वर सिंह
20 श्री रामधारी सु० श्री भीमसिंह
20 श्री नारायण सु० श्री भीमल
20 श्री ढिल्ला सु० श्री राममेहर
15 श्री कृष्ण सु० श्री तेजराम
15 श्री जोगेन्द्र सु० श्री राजसिंह
15 श्री जगतसिंह

कुल अन्न दान 1125 किलो

नकद दान देने वाले व्यक्ति

रुपये

1000 श्री रामकंवार आर्य सु० श्री भलेसिंह
500 श्री वेदप्रकाश सु० श्री रतीराम
500 श्री पूर्णमल सु० श्री दयासिंह
500 श्री पवन सु० श्री प्यारेलाल
202 श्री राकेश सु० श्री प्रेमसिंह
200 श्री ओमप्रकाश सु० श्री रामकर्ण
200 श्री यशदेव सु० श्री भरतसिंह
200 श्री उमेद सु० श्री बलवन्त
200 श्री मन्जीत सु० श्री भूपसिंह
200 श्री सूरत सिंह सु० श्री मांगेराम
105 श्री सुनिल सु० श्री प्रताप सिंह
100 श्री हरेन्द्र सु० श्री महेन्द्र सिंह

कुल नकद दान 3907 रुपये

8. ग्राम नजफगढ़ अनाजमण्डी

नजफगढ़ अनाजमण्डी का अन्नसंग्रह श्री महावीर शास्त्री द्वारा किया गया। जिसमें कमल शास्त्री, श्री वजीर अहलावत ने साथ घूमकर अन्नसंग्रह करवाने में पूर्ण सहयोग दिया तथा अपना अन्न भी दान दिया। अतः गुरुकुल परिवार की ओर से विशेष धन्यवाद के पात्र हैं। अन्य सभी दानी सज्जनों का भी धन्यवाद।

अन्न दान करने वाले व्यक्ति

किलो

250 श्री डॉ. सोमवीर शास्त्री सु. श्री रामपाल (सरूपगढ़) दिल्ली विश्वविद्यालय
125 श्री राठी ब्रादर्श दु. नं. बी-6
100 श्री अहलावत किरयाणा स्टोर
100 श्री भानीराम ढाकला वाले दु. नं. बी-21
100 श्री मै. भरतसिंह,भालसिंह दु. नं. ए-26
100 श्री मै. खजानी मल हरीराम शिवलाल चन्दूलाल दु. नं. ए-36
100 श्री नत्थूमल मिठ्ठनलाल दु. नं. ए-52
100 श्री राकेश कुमार प्रदीप कुमार दु. नं. ए-64
100 श्री कमल शास्त्री सु. श्री हंसराज नजफगढ़
50 श्री अशोक कुमार अनिल कुमार दु. नं.ए-30
50 श्री अमन गोयल तूड़ा मण्डी
50 श्री ज्वाला प्रशाद ओमप्रकाश दु. नं.ए-35

50 श्री नन्दराम रामअवतार दु. नं. ए-37
50 श्री नानकचन्द जयप्रकाश दु. नं. ए-42
50 श्री नन्दराम साधुराम दु. नं. ए-53
50 श्री भगवानदास रमेशचन्द्र दु. नं. ए-67
50 श्री जगदीश प्रशाद राजेन्द्र प्रशाद दु.नं.ए-1
50 श्री नत्थूमल बनवारी लाल दु. नं. 63
50 श्री हीरालाल देशराज दु. नं. ए-56
50 श्री राजेन्द्र प्रशाद महेन्द्रपाल दु. नं.ए-50
50 श्री हरदेव सहाय लालचन्द दु. नं.ए-12
50 श्री बगडूमल मुंशी लाल मुसद्दीलाल दु. नं.ए-13
50 श्री बहादुरचन्द्र संजय कुमार दु. नं.ए-17
50 श्री हनुमान ट्रेडिंग कम्पनी दु. नं.ए-21
50 श्री मै. द्वारका प्रशाद अनिल कुमार दु. नं.ए-16
50 श्री रामजीलाल केशोराम दु. नं.ए-15
50 श्री मै. तुलसीराम मनोहर लाल दु. नं.बी-1
50 श्री यादव ट्रेडिंग कम्पनी दु. नं.बी-8
50 श्री मेहरचन्द सुन्दरलाल जैन दु. नं.बी-18
50 श्री हीरालाल देशराज दु. नं. ए-56
50 श्री बनारसीदास ओमप्रकाश दु. नं.ए-51

कुल अन्न दान 2175 किलो

नकद दान देने वाले व्यक्ति

रुपये

1100 श्री अग्रवाल ट्रेडिंग कम्पनी दु.नं. ए-60
500 श्री भगवान दु.नं. बी-9
500 श्री शिवलाल व चन्दूलाल दु.नं. ए-32
500 श्री शिव फ्लोर मिल्स
500 श्री कृष्ण कुमार
500 श्री रोशन लाल मांगेराम दु.नं. ए-28
500 श्री अशोक गोयल दु.नं. ए-54
201 श्री शिव प्रसाद भजनलाल दु.नं. ए-18
201 श्री गुप्ता एण्ड कम्पनी दु.नं. बी-13
200 श्री गुप्तदान दु.नं. ए-31
200 श्री ताराचन्द
200 श्री टेकचन्द जैन दु.नं. ए-74
200 श्री हरियाणा ट्रेडिंग कम्पनी दु.नं. ए-73
151 श्री गुप्तदान दु.नं. ए-23
100 श्री प्रभुदयाल मनोहर लाल दु.नं. ए-70
100 श्री ढिल्लू मलमेहर चन्द दु.नं. ए-8

कुल नकद दान 5653 रुपये

9. ग्राम भापड़ौदा

ग्राम भापड़ौदा का अन्नसंग्रह श्री महावीर शास्त्री द्वारा किया गया। जिसमें डॉ. सुनील शास्त्री, श्री प्रवेन्द्र शास्त्री ने साथ घूमकर अन्नसंग्रह करवाने में पूर्ण सहयोग दिया तथा अपना अन्न भी दान दिया। अत: गुरुकुल परिवार की ओर से विशेष धन्यवाद के पात्र हैं। अन्य सभी दानी सज्जनों का भी धन्यवाद।

अन्न दान करने वाले व्यक्ति

किलो

100 डॉ. सुनील सु० श्री भीष्मप्रताप शास्त्री
100 श्री राजेश सु० श्री रत्नसिंह
100 श्री सुभाष सु० श्री बलवीर

50 श्री वीरेन्द्र सु० श्री जगसिंह
50 श्री दौड़ी प्रधान सु० श्री धर्मसिंह
50 श्री ज्ञानदेव जी
50 श्री दीपक सु० श्री प्रकाश
50 श्री विजयपाल सु० श्री धर्मसिंह
50 श्री रामफल सु० श्री सत्यवीर
50 श्री प्रमोद सु० श्री राजसिंह
50 श्री रवीन्द्र सु० श्री राममेहर
50 श्री जोगेन्द्र सु० श्री राममेहर
50 श्री जितेन्द्र पूर्व प्रधान सु० श्री दयानन्द
50 श्री सुरेश सु० श्री भगत
50 श्री अजीत सु० श्री प्यारेसिंह
50 श्री विक्रम सु० श्री जयराम
50 श्री योगेन्द्र सु० श्री राजपाल
50 श्री सुरेन्द्र सु० श्री बलवीर
45 श्री मन्जीत सु० श्री जगदीश
40 श्री देवेन्द्र सु० श्री ओम
40 श्री सत्यवीर सु० श्री केहरसिंह
40 श्री इन्द्रदेव सु० श्री बलवीर
40 श्री ईश्वर सु० श्री टेकराम
40 श्री ओमन सु० श्री राममेहर
40 श्री सोमवीर सु० श्री बलवीर
40 श्री सुमित सु० श्री कृष्ण
40 श्री वेदपाल सु० श्री शीशपाल
40 श्री पवन सु० श्री मीरसिंह
35 श्री विजय सु० श्री रामवीर
35 श्री प्रदीप सु० श्री फूलसिंह

30 श्री दीपक सु० श्री जयप्रकाश
30 श्री बिल्लू सु० श्री सत्यदेव शास्त्री
30 श्री कुलदीप सु० श्री रणवीर
30 श्री कृष्ण सु० श्री लालचन्द
30 श्री रामकिशन सु० श्री छोटेलाल
30 श्री अनुराग सु० श्री धर्मपाल
30 श्री सन्दीप सु० श्री जगदेव शास्त्री
30 श्री नवीन सु० श्री सुखवीर
25 श्री सन्दीप सु० श्री हवासिंह
25 श्री काला सु० श्री जसवन्त
25 श्री राजकुमार सु० श्री मीरसिंह
20 श्री अरुण सु० श्री राजवीर
20 श्री रणसिंह सु० श्री धर्मसिंह
20 श्री विजेन्द्र सु० श्री धर्मसिंह

फूटकर अन्न दान करने वाले सज्जन-

श्री सुमित सु० श्री पप्पू, श्री कुलदीप सु० श्री वजीरसिंह, श्री भौसम सु० श्री रामे, श्री राजपाल सु० श्री दरियाव सिंह, श्री अशोक सु० श्री रामकुवार, श्री धर्मेन्द्र सु० श्री जगवीर सिंह, श्री सोमवीर सु० श्री राममेहर, श्री दलवीर सु० श्री भूपसिंह, श्री रोहताश सु० श्री ओमप्रकाश, श्री शीलू सु० श्री गूगन, श्री बलवान सु० श्री रामसिंह, श्री भवसिंह, श्री भगवान सु० श्री धर्मसिंह

कुल अन्न दान 2165 किलो

नकद दान देने वाले व्यक्ति

रुपये

2100 श्री मोहित सु० श्री जगवीर

2100 श्री शमेसिंह प्रधान सु० श्री बल्लूराम
1100 श्री डॉ. सुरेश राठी
1100 श्री अशोक सु० श्री राजवीर राठी
1100 श्री अमित मेडिकल स्टोर
1100 श्री प्रमोद सु० श्री राजसिंह
1100 श्री सुरेन्द्र सु० श्री J.J. राठी
1100 श्री हरिचन्द साहाब
1100 श्री जितेन्द्र सु० श्री सुलतान सिंह
1100 श्री शमशेर सिंह सु० श्री चरणसिंह
1000 श्री जितेन्द्र सु० श्री बलवान सिंह
500 श्री पं. विनोद कुमार सु० श्री रामगोपाल
500 श्री रवीन्द्र सु० श्री वजीर
500 श्री तेजपाल सु० श्री चन्दराम
500 श्री विशाल सु० श्री नरेन्द्र
500 श्री मोनू सु० श्री कृष्ण
500 श्री बिना सु० श्री सत्यदेव शास्त्री
500 श्री चौ. महेन्द्र सिंह सु० श्री छोटूराम
500 श्री सत्यपाल सु० श्री बलवीर सिंह
500 श्री मन्नू सु० श्री राममेहर
500 श्री विश्वजीत सु० श्री जितेन्द्र
500 श्री अजब सिंह
500 श्री दीपेन्द्र सु० श्री कृष्ण
500 श्री मा. रणजीत सिंह
251 श्री पं. छोटेलाल सु० श्री रामस्वरूप
250 श्री राजेन्द्र सु० श्री आनन्ददेव शास्त्री
200 श्री सत्यवीर सु० श्री रणसिंह
200 श्री सत्यवीर सु० श्री धर्मसिंह
100 श्री रामफल
100 श्री राजवीर सु० श्री धर्मवीर
100 श्री सुरेश सु० श्री भगत
100 श्री राजसिंह सु० श्री नहरसिंह
100 श्री उमेदसिंह
100 श्री दीपक सु० श्री रामवीर
50 श्री चन्दप्रकाश सु० श्री मांगेराम

कुल नकद दान 22051 रुपये

10. ग्राम बालन्द

ग्राम बालन्द का अन्नसंग्रह श्री महावीर शास्त्री द्वारा किया गया। जिसमें डॉ. रामवीर शास्त्री, बहन राजबाला शास्त्री, श्री अशोक पहलवान, श्री दलजीत आर्य, श्री कृष्ण आर्य, श्री नवाब आर्य ने साथ घूमकर अन्नसंग्रह करवाने में पूर्ण सहयोग दिया तथा अपना अन्न भी दान दिया। अत: गुरुकुल परिवार की ओर से विशेष धन्यवाद के पात्र हैं। अन्य सभी दानी सज्जनों का भी धन्यवाद।

अन्न दान करने वाले व्यक्ति

किलो
100 बहन राजबाला शास्त्री सुपुत्री महाशय नन्दराम आर्य
100 श्री महीपाल शास्त्री सु० श्री रामसिंह
100 श्री डॉ. रामवीर शास्त्री सु० श्री जसप्रकाश
100 आचार्य सोमदेव शास्त्री सु० श्री सुखलाल
50 श्री तस्वीर सु० श्री सुखलाल

50 श्री राजेश पहलवान सु० श्री दीदारी
50 श्री पं. अब्बन सु० श्री रामशरण
50 श्री रोहताश सु० श्री ज्ञानीराम पूर्व सरपंच
50 श्री बब्लू सु० श्री कवरसिंह
50 श्री अशोक पहलवान सु० श्री धर्मपाल
50 श्री नवाब आर्य सु० श्री बलवीर
50 श्री राजेश सु० श्री डॉ. रामेश्वर
50 श्री आजाद सु० श्री रामफल
50 श्री जिले सु० श्री मशानियां
50 श्री लीलू सु० श्री दिदारे
50 श्री काला डाक्टर सु० श्री धर्मपाल
50 श्री सत्यव्रत सु० श्री महाशय मुंशीराम
50 श्री पप्ल सु० श्री फतेहसिंह
50 श्री रघुवीर आर्य सु० श्री रत्तनसिंह
50 श्री दलजीत आर्य सु० श्री बलवान सिंह
50 श्री कृष्णदेव आर्य सु० श्री धनपत आर्य
40 श्री राजा सु० श्री दीदारी
40 श्री धर्मपाल सु० श्री सूधन सिंह
40 श्री रामफल फौजी सु० श्री रिसालसिंह
40 श्री प्रहलाद सु० श्री न्यादर
40 श्री संजय सु० श्री प्रभाती
40 श्री जगदीप सु० श्री सूरजभान
40 श्री जयपाल आर्य सु० श्री हरकिशन
40 श्रीमती कृष्णा आर्य प्रधान महिला मण्डल आर्य समाज (बालन्द)
30 श्री जयदेव शास्त्री सु० श्री भीमसिंह
30 श्री कृष्ण सु० श्री महेन्द्र सिंह
30 श्री ईश्वर सु० श्री हिम्मतसिंह
30 श्री रणवीर शास्त्री सु० श्री पृथ्वीसिंह
30 श्री राजेश सु० श्री महासिंह
30 श्री नसीब आर्य सु० श्री विजेन्द्र
30 श्री बलजीत सु० श्री शिवलाल
30 श्री हरिया सु० श्री लहजे
30 श्री मा. कर्मवीर सु० श्री नवलासिंह
20 श्री जगवीर सु० श्री रिसाल सिंह
20 श्री रामधन सु० श्री
20 श्री शमशेर सु० श्री अमीलाल
20 श्री पप्पल सु० श्री कर्णे
20 श्री महताब सु० श्री छोटू
20 श्री निशु सु० श्री प्यारे
20 श्री महेश सु० श्री जगवीर
20 श्री धर्मे सु० श्री हरिया
20 श्री विकास फौजी सु० श्री रामफल
25 श्री सुरेश सु० श्री गणपत
20 श्री कपूरे सु० श्री छोटूराम

फुटकर अन्न दान देने वाले सज्जन-

श्री छत्रपाल सु० श्री राजा, श्री राममेहर सु० श्री रिसालसिंह, श्री वेदपाल सु० श्री ज्ञानीराम, श्री ईश्वर सु० श्री रणसिंह, श्री ईश्वर सु० श्री लालचन्द, श्री रणवीर सु० श्री प्रभाती, श्री डॉ. सतीश सु० श्री कंवलसिंह, श्री जगवीर सु० श्री महासिंह, श्री कपिल सु० श्री राजेन्द्र, श्री जितेन्द्र सु० श्री महासिंह, श्री सतीश सु० श्री बलवीर, श्री महावीर सु० श्री रामकुंवार

कुल अन्न दान 2200 किलो

नकद दान देने वाले व्यक्ति

रुपये

1100 श्री डॉ. संजीव जी (डीघल)

1100 श्री प्रदीप मेम्बर सु0 श्री जगवीर

500 श्री रामफल सु0 श्री भगवाना

500 श्री विक्की सु0 श्री मैनपाल

500 श्री सत्यवीर सु0 श्री हनुमन्त आर्य

500 श्री रिसालदार (नान्हेराम) सु0 श्री सूरजभान

500 श्री वेदपाल सु0 श्री मायाराम

500 श्री योगेन्द्र आर्य सु0 श्री म. बलवीर

500 श्री जयभगवान सु0 श्री अमरसिंह

200 श्री प्रदीप सु0 श्री सत्यव्रत

200 श्री राजेश फौजी सु0 श्री कपूर सिंह

200 श्री कंवल सिंह सु0 श्री भरतसिंह

200 श्री रामवीर सु0 श्री जगदीश

100 श्री नवीन सु0 श्री ओमप्रकाश

100 श्री रोहताश सु0 श्री हिम्मतसिंह

100 श्री दीपक सु0 श्री सुखवीर सरपंच

100 श्री अजीत सु0 श्री शिवलाल

100 श्रीमती चमेली आर्य

100 श्री आजाद

100 श्री अशील कुमार सु0 श्री रिछपाल

100 श्री देवेन्द्र पहलवान सु0 श्री ओमप्रकाश

100 श्री रघुवीर सिंह

50 श्री कैप्टन बन्नीसिंह

कुल नकद दान 7000 रुपये

11. ग्राम अकेहड़ी मदनपुर

ग्राम अकेहड़ी मदनपुर का अन्नसंग्रह श्री महावीर शास्त्री द्वारा किया गया। जिसमें श्री पं. रामनिवास व्यापरी, श्री मदनलाल शास्त्री ने साथ घूमकर अन्नसंग्रह करवाने में पूर्ण सहयोग दिया तथा अपना अन्न भी दान दिया। अत: गुरुकुल परिवार की ओर से विशेष धन्यवाद के पात्र हैं। अन्य सभी दानी सज्जनों का भी धन्यवाद।

अन्न दान करने वाले व्यक्ति

किलो

250 श्री ऋषिकुमार सु0 श्री रत्नसिंह

200 श्री गोपीचन्द सु0 श्री घीसाराम

200 श्री पं. रामनिवास सु0 श्री पं. लक्ष्मी नारायण

150 श्री यशपाल व वेदपाल सु0 श्री डॉ.विजयकुमार (मातनहेल)

100 श्री महताब सु0 श्री मांगेराम, अमादलशाहपुर

100 श्री सत्यवीर सु0 श्री दुलीचन्द

100 श्री रणसिंह सु0 श्री जगराम

100 श्री ओमकुमार सु0 श्री चन्द्रभान

80 श्री राजवीर सु0 मा. बलदेव सिंह, साल्हावास

50श्री जयभगवान सु0 श्री रामफल आर्य, मातनहेल

50 श्री रामप्रकाश सु0 श्री चन्दगीराम, अमादलशाहपुर

50 श्री दिनेश सु0 श्री बनवारीलाल, अमादलशाहपुर

50 श्री अमरदीप सु0 श्री बनवारीलाल,अमादलशाहपुर

50 श्री ओमप्रकाश शास्त्री सु0 श्री सुमेर सिंह,बिरड़

50 श्री राजवीर सु0 श्री सुमेर सिंह, बिरड़

50 श्री राजवीर शास्त्री सु0 श्री चन्द्रभान, बिरड़

50 श्रीमती बिमला देवी धर्मपत्नी मा. इन्द्रसिंह, बिरड़

50 श्री मा. रणवीर सिंह, लडायान

50 श्री मा. भीमसिंह सु0 श्री दरियावसिंह,साल्हावास
50 श्री चन्दन लाल सु0 श्री रामकुमार,अमादलशाहपुर
50 श्री सुरेश सु0 श्री मोहन लाल, अमादलशाहपुर
50 श्री जगदीप सु0 श्री कृष्ण
50 श्री नरेन्द्र सु0 श्री प्रभु
50 श्री करतार सिंह पूर्व सरपंच
50 श्री जसवीर सु0 श्री रामकिशन
50 श्री सुदीप सु0 श्री रणधीर
50 श्री रामभगत सु0 श्री भागमल, अमादलशाहपुर
40 श्रीं मा. वेदप्रकाश सु0 श्री फतेहसिंह
40 श्री सुरेन्द्र नम्बरदार

कुल अन्न दान २२६० किलो

नकद दान करने वाले सज्जन

रुपये
5000 श्री महेन्द्र सिंह ठेकेदार
2300 श्री इन्द्रजीत ठेकेदार सु0 श्री रत्नसिंह
2300 श्री जितेन्द्र सु0 श्री सन्तराम पूर्व सरपंच
1100 श्री रमेश कुमार सु0 श्री माल्हाराम
1000 श्री लालसिंह सु0 श्री श्योचन्द, अमादलशाहपुर
500 श्री श्रवण जी ठेकेदार
200 श्री मनफूल सिंह आर्य, अमादलशाहपुर

कुल नकद दान १२४०० रुपये

12. ग्राम खेड़का गूजर

ग्राम खेड़का गूजर का अन्नसंग्रह श्री खेमचन्द शास्त्री गुरुकुल झज्जर द्वारा किया गया। जिसमें श्री सुच्चा सिंह, बिजेन्द्र सिंह ने साथ घूमकर अन्नसंग्रह करवाने में पूर्ण सहयोग दिया तथा अपना अन्न भी दान दिया। अतः गुरुकुल परिवार की ओर से विशेष धन्यवाद के पात्र हैं। अन्य सभी दानी सज्जनों का भी धन्यवाद।

अन्न दान करने वाले व्यक्ति

किलो
200 श्री बिजयेन्द्र सु0 श्री महाशय रामकिशन
100 श्री विनय कुमार सु0 श्री कैप्टन फूलकुवार
100 श्री सुच्चा सिंह सु0 श्री पदमसिंह
50 श्री उपदेश सु0 श्री विजयेन्द्र
50 श्री सुन्दर सु0 श्री जयलाल
50 श्री सतबीर जी सु0 श्री मांगेराम
50 श्री सत्य सु0 श्री दरियाव सिंह
50 श्री सरताज सु0 श्री पदमसिंह
40 श्री अजय सु0 श्री उमेद सिंह
40 श्री नरेन्द्र सु0 श्री बलवन्त जी
40 श्री रामनिवास सु0 श्री जिले सिंह
40 श्री कृष्ण सु0 श्री बख्तावर सिंह
40 श्री सुखवीर सु0 श्री इन्द्राज सिंह
40 श्री रमेश सु0 श्री जिले सिंह
40 श्री रामफल सु0 श्री बख्तावर
40 श्री सतपाल प्रधान गोशाला
30 श्री शेखर सु0 श्री दरियाव सिंह
20 श्री ऋषिपाल सु0 श्री सूरजमल
20 श्री लाला नम्बरदार

कुल अन्न दान १० किं. ४० किलो

नकद दान करने वाले सज्जन

रुपये
2100 श्री विद्यानन्द आर्य सु0 श्री चंदगीराम

2100 श्री दयानन्द सु० श्री चंदगीराम
1100 श्री निटू प्रधान सु० श्री महावीर सिंह
500 श्री धर्मपाल सु० श्री चंदगीराम
500 श्री रणवीर सु० श्री प्रभु
500 श्री धर्मवीर सु० श्री मुंशीराम
200 श्री रोहताश सु० श्री धूपसिंह
100 श्री प्रेमपाल सु० श्री करणसिंह

कुल नकद दान ६१०० रुपये

13. ग्राम मकड़ौली कलां

ग्राम मकड़ौली कलां का अन्नसंग्रह श्री खेमचन्द शास्त्री गुरुकुल झज्जर द्वारा किया गया। जिसमें श्री सत्यव्रत शास्त्री, महेन्द्र एवं मनीष शास्त्री ने साथ घूमकर अन्नसंग्रह करवाने में पूर्ण सहयोग दिया तथा अपना अन्न भी दान दिया। अत: गुरुकुल परिवार की ओर से विशेष धन्यवाद के पात्र हैं। अन्य सभी दानी सज्जनों का भी धन्यवाद।

अन्न दान करने वाले व्यक्ति

किलो
500 श्री विजयेन्द्र सु0 स्व. श्री महा. बलवन्त सिंह
300 श्री सत्यव्रत सु0 स्व. श्री महा. बलवन्त सिंह
100 श्री जोगिन्द्र सु० श्री दरियाव सिंह
100 श्री धर्मेन्द्र सु० श्री पहलवान ओमप्रकाश
70 श्री हवासिंह शास्त्री सु० श्री महेन्द्र सिंह आर्य
50 श्री ऋषिपाल शास्त्री
50 श्री मोनू सु० श्री जगवीर
50 श्री अमन सु० श्री सूरजभान
50 श्री वेदप्रकाश सु० श्री दलीप सिंह
50 श्री अमित सु० श्री रामचन्द्र
50 श्री हनुवन्त सु० श्री दीपचन्द
50 श्री सुखवीर सु० श्री देवीसिंह
50 श्री सत्यवान पहलवान जी
50 श्री पवन शास्त्री कुश्ती कोच सु0 श्री धर्मपाल
50 श्री राजसिंह सु० श्री शिवधन
50 श्री धर्म सु० श्री करण सिंह
50 श्री मनीष शास्त्री सु० श्री सूरजमल
40 श्री सतवीर सिंह सु० श्री दलीप सिंह
40 श्री देवपाल पूर्व सरपंच सु0 श्री मुखत्यार सिंह
40 श्री कप्तान सिंह सु० श्री जय नारायण
40 श्री भगवान सु० श्री नफे सिंह
40 श्री श्रीनिवास सु० श्री रामपत
40 श्री कुलदीप सु० श्री बलवन्त
40 श्री मा. प्रताप सु० श्री रामस्वरूप
30 श्री अजमेर सिंह सु० श्री रामफल
30 श्री वासुदेव सु० श्री यशवीर
25 श्री अशोक सु० श्री सत्यपाल
20 श्री देवेन्द्र सु० श्री महेन्द्र
20 श्री जोगेन्द्र सु० श्री जगत सिंह
20 श्री रामकुमार सु० श्री नफे सिंह
15 श्री अशोक सु० श्री रामफल
10 स्व. श्री कृष्ण सु० श्री रणसिंह
10 श्री लक्ष्य सु० श्री ओम
10 श्री राजेश सु० श्री रामकुमार
1 खल का कट्टा श्री विश्वजीत सु0 श्री पालीराम
कुल अन्न दान 21 किं., 40 किलो

नकद दान करने वाले व्यक्ति

रुपये

2300 श्री सुमित पूर्व सरपंच

500 श्री कर्मवीर पूर्व सरपंच सु0 श्री राजवीर सिंह

500 श्री जसवन्त सिंह सु0 श्री करतार सिंह

500 श्री ईश्वर सिंह सु0 श्री सुनील

500 श्री अजय कुमार सु0 श्री सुरेन्द्र सिंह

500 श्री प्रदीप कुमार सु0 श्री बलवीर सिंह

500 श्री जगत सिंह सु0 श्री सुबेसिंह

250 श्री नरेन्द्र सु0 श्री मंगतराम

100 श्री स्वामी सत्यमुनि जी

100 श्री डीका दुकानदार

कुल नकद दान 5750 रुपये

14. ग्राम खेड़ी आसरा

ग्राम खेड़ी आसरा का अन्नसंग्रह श्री खेमचन्द शास्त्री गुरुकुल झज्जर द्वारा किया गया। जिसमें श्री राजेन्द्र आर्य एवं योगेश छिक्कारा ने साथ घूमकर अन्नसंग्रह करवाने में पूर्ण सहयोग दिया तथा अपना अन्न भी दान दिया। अत: गुरुकुल परिवार की ओर से विशेष धन्यवाद के पात्र हैं। अन्य सभी दानी सज्जनों का भी धन्यवाद।

अन्न दान करने वाले व्यक्ति

किलो

50 श्री राजेन्द्र आर्य

50 श्री दिलबाग मास्टर

50 श्री रिसाल सिंह सु0 श्री छाजूराम

50 श्री परमवीर सु0 श्री हरजिन्द्र

50 श्री अशोक सु0 श्री कर्मवीर

50 श्री राजकुमार सु0 श्री बलवीर

40 श्री मोनू सु0 श्री रमेश

40 श्री जयवीर सु0 श्री सतवीर

40 श्री विनोद सु0 श्री आजाद सिंह

40 श्री जयभगवान सु0 श्री दयानन्द

40 श्री चांद सु0 श्री रवीन्द्र

30 श्री ऋषिदेव सु0 श्री मांगेराम

20 श्री जयप्रकाश सु0 श्री चन्द्रभान

20 श्री कुलदीप सु0 श्री बलवन्त

20 श्री दयानन्द सु0 श्री दरियाव सिंह

20 श्री प्रदीप सु0 श्री जगवीर

20 श्री प्रदीप सु0 श्री प्रकाश

15 श्री मुकेश सु0 श्री महताब

कुल अन्न दान 6 किं., 65 किलो

नकद दान करने वाले व्यक्ति

रुपये

1500 श्री दलवीर शास्त्री सु0 श्री ब्रह्मदत्त

1100 श्री भारत कुमार सु0 श्री बलवन्त सिंह

1100 श्री सेवासिंह सु0 श्री मीर सिंह

1100 श्री डॉ. बलराज सु0 श्री श्योकरण

500 श्री रामफल पूर्व सरपंच सु0 श्री कंवल सिंह

500 श्री सत्यदेव सरपंच

500 श्री सोनू सु0 श्री जयपाल

500 श्री शान्तनु सु0 श्री रामदर्शन

500 श्री सत्यवान सु0 श्री रामदर्शन

500 श्री सुन्दर सिंह सु0 श्री ईश्वर सिंह
500 श्री परमजीत सु0 श्री शमशेर सिंह
500 श्री नवभारत सु0 श्री महावीर
500 श्री रामचन्द्र सु0 श्री तालेराम
200 श्री सिटू सु0 श्री दलपत सिंह
200 श्री विनोद सु0 श्री रिसाल सिंह
200 श्री राजेश सु0 श्री विजेन्द्र सिंह
200 श्री जसवन्त सिंह सु0 श्री जयसिंह
200 श्री वीरभान सु0 श्री लक्ष्मण सिंह
100 श्री जोगेन्द्र सु0 श्री ज्ञानीराम
100 श्री चरणपाल सु0 श्री ईश्वर सिंह
100 श्री जयकिशन
100 श्री कुलदीप सु0 श्री लक्ष्मण सिंह
50 श्री सुन्दर सिंह
50 श्री राकेश सु0 श्री रामकिशन
कुल नकद दान 10800 रुपये

15. ग्राम खेड़ी जट्ट

ग्राम खेड़ी जट्ट का अन्नसंग्रह श्री खेमचन्द शास्त्री गुरुकुल झज्जर द्वारा किया गया। जिसमें श्री वेदप्रकाश, वीरेन्द्र (सोनू), जितेन्द्र ने साथ घूमकर अन्नसंग्रह करवाने में पूर्ण सहयोग दिया तथा अपना अन्न भी दान दिया। अत: गुरुकुल परिवार की ओर से विशेष धन्यवाद के पात्र हैं। अन्य सभी दानी सज्जनों का भी धन्यवाद।

अन्न दान करने वाले व्यक्ति

किलो
100 श्री वेदप्रकाश सु0 श्री महाशय रामकुंवार
100 श्री जितेन्द्र सु0 श्री धर्मवीर
80 श्री मोनू सु0 श्री अजीत सिंह
50 श्री बलजीत थानेदार सु0 श्री सूरजमल
50 श्री श्योकरण सु0 श्री प्रताप
50 श्री बलराज सु0 श्री छोटूराम
50 श्री सत्यवीर ASI सु0 श्री रामपत
50 श्री कृष्ण सु0 श्री धर्मवीर
50 श्री सत्येन्द्र सु0 श्री महाशय सुखलाल
50 श्री भौमसिंह सु0 श्री दयाराम
50 श्री जगवीर (ढिल्लू) सु0 श्री रामकिशन
40 श्री सतवीर सु0 श्री राजसिंह
40 श्री सोनू सु0 श्री रामचन्द्र
40 श्री बलवान सु0 श्री राममेहर
40 श्री सतबीर सु0 श्री हनुमत
20 श्री रामचन्द्र जी सु0 श्री छोटूराम
20 श्री सुनील सिंह सु0 श्री सूरजभान
20 श्री सत्यदेव शास्त्री सु0 श्री सुखलाल
20 श्री रामकिशन सु0 श्री प्रभुदयाल
10 श्री जगदीश सु0 श्री सुखलाल
10 श्री ईश्वर प्रधान सु0 श्री रामकुवार
10 श्री सत्यवान सु0 श्री जयनारायण
10 श्री विजय सिंह सु0 श्री बलवीर
कुल अन्न दान 9 किं. 60 किलो

नकद दान करने वाले व्यक्ति

रुपये
1100 श्री रघुवीर सिंह इंस्पैक्टर

1100 श्री रामबीर सरपंच सु0 श्री जयनारायण
1100 श्री शक्ति सिंह सु0 श्री अत्तर सिंह
1100 श्री जयपाल सु0 श्री गजसिंह
1100 श्री ज्ञानेन्द्र सु0 श्री बनीसिंह
500 श्री कुलदीप (लाला) ASI
500 श्री संजय कुमार सु0 श्री राजा साहाब
500 श्री देवेन्द्र सिंह सु0 श्री राजसिंह
500 श्री मंजीत सिंह सु0 श्री रामचन्द्र
500 श्री सन्दीप सु0 श्री रोहताश
500 श्री मनीष सु0 श्री रोहताश
500 श्री रणधीर पटवारी
500 श्री सुनील सु0 श्री ओमप्रकाश
500 श्री महेन्द्र सिंह सु0 श्री रणजीत सिंह
500 श्री रामकरण सु0 श्री जयकिशन
250 श्री लीलू सु0 श्री ईश्वर सिंह
200 श्री खजान सिंह सु0 श्री सुखलाल
200 श्री धर्मेन्द्र सु0 श्री धर्मपाल
200 श्री प्रेम प्रधान पूर्व सरपंच
200 श्री रणवीर (लीला) सु0 श्री बलवन्त
100 श्री सत्यपाल पंडित सु0 श्री लालचन्द
100 श्री रामचन्द्र सु0 श्री मोलिया
100 श्री ईश्वर सिंह सु0 श्री रामकुवार
100 श्री रामफल सु0 श्री शोभराम
कुल नकद दान 11950 रुपये

16. ग्राम तलाव

ग्राम तलाव का अन्नसंग्रह श्री खेमचन्द शास्त्री गुरुकुल झज्जर द्वारा किया गया। जिसमें श्री श्रीभगवान ने साथ घूमकर अन्नसंग्रह करवाने में पूर्ण सहयोग दिया तथा अपना अन्न भी दान दिया। अत: गुरुकुल परिवार की ओर से विशेष धन्यवाद के पात्र हैं। अन्य सभी दानी सज्जनों का भी धन्यवाद।

अन्न दान करने वाले व्यक्ति

किलो
100 श्री राजेन्द्र सु0 श्री दरियाव सिंह
50 श्री मन्जीत पूर्व सरपंच सु0 श्री भगवान सिंह
50 श्री नरेश सु0 श्री भगवान सिंह
40 श्री निटू सु0 श्री जितेन्द्र
40 श्री विजय सु0 श्री जगमाल
40 श्री अनिल सु0 श्री राममेहर
40 श्री रूपेन्द्र सु0 श्री विजयेन्द्र
20 श्री अजीत सिंह सु0 श्री जयधीर सिंह
20 श्री सुरेन्द्र सु0 श्री भल्लेराम
15 किलो अन्न दान करने वाले –
श्री पप्पू सु0 श्री भगवान सिंह, श्री हरिराम सु0 श्री शेरसिंह, श्री रणसिंह सु0 श्री दरियाव सिंह, श्री दयानन्द सु0 श्री दरियाव सिंह, श्री विजय सु0 श्री रत्नसिंह, श्री सुभाष, श्री हरिप्रकाश सु0 श्री रघुनाथ, श्री अनिल सरपंच, श्री अजमेर सु0 श्री भूपसिंह, श्री सुखवीर सु0 श्री आशाराम, श्री राजू सु0 श्री करतार सिंह, श्री अशवीर सु0 श्री इन्द्रसिंह, श्री ओम सु0 श्री दरिया, श्री अमरदीप सु0 श्री कलीराम, श्री सतवीर सु0 श्री प्रताप, श्री

अनिल एवं बब्लू सु0 श्री प्रीत सिंह

१० किलो अन्न दान करने वाले -

श्री अनूप सु0 श्री सहजराम, श्री सतवीर सु0 श्री रामरूप, श्री सुखवीर सु0 श्री हरस्वरूप, श्री राजेन्द्र सु0 श्री कमले, श्री रामकुवार सु0 श्री सरदार, श्री धर्मपाल सु0 श्री श्रीचन्द, श्री इन्द्र सु0 श्री फूलसिंह, श्री जयकरण सु0 श्री फूलसिंह, श्री वेदप्रकाश सु0 श्री चन्दूलाल, श्री कवंलसिंह सु0 श्री कैप्टन अमीरसिंह, श्री ब्रह्मप्रकाश सु0 श्री पृथी सिंह, श्री भरपूर सिंह सु0 श्री छत्तर सिंह, श्री पप्पू सु0 श्री हरिकिशन, श्री सन्दीप सु0 श्री बलवान

कुल अन्न दान 7 किं., 80 किलो।

नकद दान करने वाले व्यक्ति

रुपये

500 श्री मास्टर बलवान सिंह

500 श्री योगेश सु0 श्री विरेन्द्र सिंह

500 श्री थानेदार अनूप सिंह सु0 श्री राजसिंह

500 बहन कान्ता देवी धर्मपत्नी सुबेदार सुबेसिंह

200 श्री रामचन्द्र सु0 श्री रघुवीर सिंह

100 श्री सतवीर सिंह

100 श्री कैप्टन देवानन्द सु0 श्री जिलेसिंह पूर्व सरपंच

100 श्री हवासिंह सु0 श्री देशराम

100 श्री परमा कोडान

कुल नकद दान २६०० रुपये

विद्या बनाम वर्तमान शिक्षा

'विद्या बोधंकरी...' विद्या वह है जो ज्ञान कराती है। ज्ञान वह जो हमें शारीरिक, मानसिक व भौतिक ताप व पीड़ा से बचाए, जो हमें सत्य असत्य का बोध कराए और नश्वर भौतिक शरीर की जीवन यात्रा निरोगता से निर्भयता से पूरी करने में समर्थ कर दे। शिक्षा रूढ़ार्थ में साक्षरता है जो अक्षरों का ज्ञान कराए व आजीविका के लिए कौशल सिखाए। वर्तमान शिक्षा प्रणाली का मात्र इतना ही उदेश्य है। ज्ञान, सदाचार व नीति सब पाठ्यक्रमों से बाहर हो गए हैं। शिक्षा पर पुनर्विचार करने का समय है। वर्तमान शिक्षा व्यवस्था आक्रामक, द्वेषी, डरपोक, मानसिक तनावपूर्ण और अप्रसन्न भोगवादी पीढ़ी को जन्म दे रही है। प्रसिद्ध समाजशास्त्री डा. अविजित पाठक इस विषय में लिखते हैं कि, षशिक्षा के बारे में समाज जो राय रखता है मेरे लिए उसे सहमति देना बड़ा कठिन होता है। समाज के लिए शिक्षा के मायने तीन मुख्य बातें हैं। 1. यह एक प्रकार की ट्रेनिंग है अथवा स्किल सीखने की विधि है जिसकी मार्केट में मांग है, जो रोजगार दिला सकती है। 2. यह एक प्रकार की लर्निंग प्रक्रिया है जिसे पास करने पर व्यक्ति शैक्षिक एक्सपर्ट हो

जाता है। 3. यह एक पाठ्यक्रम है जिसमें योग्यता प्राप्त करके एक व्यक्ति एक संसाधन / रिसोर्स के तौर पर तैयार हो जाता है जिसे आर्थिक/सैन्य / तकनीकी उद्देश्य के लिए प्रयुक्त किया जा सकता हैष्। किंतु इस संकीर्ण/उपयोगवादी/ तकनीकी दृष्टिकोण से डा. पाठक बिल्कुल सहज नहीं हैं। इसका कारण वह कहते हैं कि, ष्यदि शिक्षा हमारी मानवीय, नैतिक, सौंदर्यपरक और आत्मिक / आध्यात्मिक संवेदनशीलता व भावों को समझने व जागृत करने में फेल है तो यह त्रुटिपूर्ण और खतरनाक है चाहे बेशक यह कौशलपूर्ण श्रमिक शक्ति उत्पन्नकारी हो जो किसी देश की विकास दर को बढाती हो या उसकी सैन्य-तकनीकी को शक्तिशाली बनाने के लिए मानव-संसाधन को प्रशिक्षित करने वाली हो अथवा अत्यंत महंगे उंचे दर्जे के विद्यालयों / विश्वविद्यालयों में हजारों की संख्या में अनुसंधान पत्रक तैयार करने वाली होष्। अधिक कठोरता से वे कहते हैं कि, "मुझे यह कहते हुए कतई संकोच नहीं है कि इस प्रकार की यह उपकरणीय शिक्षा सैन्यवाद, युद्ध की कट्टरता और जीवन के निपट मानसिकता, महाविनाश, अंधराष्ट्रवाद, धार्मिक बाजारीकरण/उत्पादीकरण से मुक्त नव्य विश्व की संकल्पनाओं और प्रयासों से रहित, पूर्णतया अयोग्य सिद्ध हुई हैष् ष्इन दिनों में हमारे पास अंतरज्ञान से रहित कुशल सुविज्ञ और विशेषज्ञों, आत्मा विहीन तकनीकी, नैतिक विचारों से हीन मार्केट तथा आंतरिक स्मृद्धि व उच्च मानवीय मूल्यों से वंचित संसाधन-स्वरूपी-मानवीय-देहों (जिन्हें साहित्य की भाषा में चलती फिरती लाशें कहा गया है) की भारी प्रचुरता है। एक तरह से शिक्षा की यह प्रचलित परिपाटी एक युवा विद्यार्थी को मतांध योद्धा के रूप में रूपांतरित कर रही है। यह एक आक्रामक. झगड़ालू, बेचौन, भयभीत, तनावयुक्त मनोरोगी और आत्मा से हीन अज्ञानी / नासमझ अप्रसन्न नस्ल को जन्म दे रही है।

वे लिखते है कि, ष्मेरी मनोव्यथा मेरे भीतर के समालोचक को जगा देती है। मैं मेडिकल, इंजीनियरिंग, नेट; सीयूटी आदि प्रवेश परीक्षाओं का सख्त आलोचक हूं क्यूंकि ये परीक्षाएं हमारे छात्रों को गहन/ विचारपूर्ण/ चिंतनपूर्ण / तनावमुक्त शिक्षण के आनंद से वंचित करती हैं। मैं राजस्थान के शहर कोटा में चल रही कोचिंग फैक्टरियों के सिलसिले की निंदा करता हूं, जो हमारे किशोरों और उनके जीवन निर्माण के अद्‌भुत वर्षों को लूट लेती हैं और उन्हें श्परीक्षा-योद्धाश में तबदील करती हैं, जो केवल एक चीज जानते हैं कि किस प्रकार फिजिक्स, मैथ्स की पहेलियों को फटाफट हल किया जा सकता है। मैं उच्च शिक्षा के कारपोरेटाइजेशन/ व्यवसायीकरण की और 'सेलेरी पैकेज' के गणित से शिक्षा महत्व को मापने/आंकने के अभद्र कार्य से नफरत करता हूं। मैं साइंस और तकनीकी से अलग आर्ट्स कला, साहित्य, दर्शन, इतिहास,

भूगोल, भाषा, व्याकरण, सांस्कृतिक आदि विषयों में हो रहे हास को लेकर बहुत चिंतित हूं। वे अपने आलेखों में बताते हैं कि कला / आर्टस् के ये विषय हमें सजग बनाते हैं, हमारी बौद्धिक चेतना को जागृत करते हैं और संसार के साथ हमें जोड़ते हुए हमें संवेदनहीनता से छुड़ा संवेदनशील बनाते हैं। हमें बच्चों में भीतर में पाए जाने वाली रचनात्मकता को बढ़ाने की आवश्यकता है। हमें यह कल्पना करनी चाहिए कि हम बच्चों को आत्मिक, आध्यात्मिक सुंदरता से दूर करके उनके मानसिक स्वास्थ्य को कितनी क्षति पहुचा रहे हैं। बच्चे भय, चिंता और भारी प्रतिस्पर्धा के दबाव में पल रहे हैं जिसका प्रभाव उनके निर्मित हो रहे व्यक्तित्व पर क्या पड़ेगा यह हमारे लिए सोचने की बात है। शिक्षकों पर भी यह जिम्मेदारी है कि वे छात्रों को मीमांसक, प्रश्नात्मक शिक्षा सिखाएं जिससे उनके अंदर गंभीर चिंतन उत्पन्न हो सके। वे अनेक विद्वानों के उदाहरण देते हुए बताते हैं कि चली आ रही परंपराओं के प्रति, विद्यार्थियों को प्रश्न करने की कला सिखाई जानी चाहिए। उनमें यह क्षमता विकसित करनी चाहिए। शिक्षा के द्वारा उनमें परस्पर प्रेम, सद्भाव और हिंसा से क्षतिग्रस्त दुनियां के जख्म भरने का हुनर सिखाना चाहिए।

(अभिभावक और शिक्षक होने के नाते हम इस पीढ़ी को केवल अपने कैरियर और सेलेरी पैकेज के बारे में ही सोचने की सलाह देते हैं। हम उन्हें पागल घोड़ों की तरह दौड़ते रहने के लिए और दूसरों के उनके दर्द, आघात और कष्टों के बारे में कुछ नहीं सोचने के लिए बोलते हैं। ऐसा प्रतीत होता है आजकल शिक्षा का मकसद केवल हिंसक, परंपरावादी और शोषक समाज के निर्माण का हो गया है। धर्म-आध्यात्म की बजाए राजनैतिक सत्ताएं, जीवन पर हावी हो गई हैं। हर बात, वस्तु और कार्य यहां तक की राजतंत्र में भी केवल लाभ-अलाभ वादी सोच ही रहती है। इसी प्रकार शिक्षा का प्रथम उद्देश्य भी केवल अर्थ-उत्पादनार्थ ही छात्रों को पढ़ाना सिखाना हो गया है। उन्हें ज्ञानवान, गंभीर चिंतक, रचनात्मक और संवेदनशील बनाना नहीं रह गया है। इससे व्यक्ति की आलोचनात्मक शक्ति क्षीण हो रही है और वह सत्ता के अधिकारों के प्रति बोल नहीं पा रहा है। उसकी हाशिए पर धकेले गए अधिकारहीन लोगों के प्रति कोई हमदर्दी नहीं रही है। इससे राजसत्ताएं निरंकुश हो रही हैं, यह छात्रों को पढ़ाया जाना चाहिए। यह ऐसा समय है कि हमें शिक्षा के बारे पुनर्विचार करना चाहिए। यदि शिक्षा को कट्टर बाजारवाद, तकनीकी तंत्र और जीवों के अस्तित्व की विनाशक प्रतिस्पर्धी चूहा दौड़ के वायरस से बचा नहीं पाए तो हम नई नस्लों के मानसिक स्वास्थ्य हो भारी नुकसान पहुंचाएंगे। हम इस अपराध के लिए कदापि माफ नहीं किए जाएंगे।

उपरोक्त विचार आज के दौर के पाश्चात्य विद्वानों के हैं। यदि कोई भारतीय विचारक ऐसा कहता तो प्रथमदृष्ट्या ही अमान्य कर दिया जाता। यहां हमें महर्षि दयानन्द जी स्मरण हो आते हैं। महर्षि जी ने अपने सुप्रसिद्ध ग्रंथ सत्यार्थप्रकाश में द्वितीय व तृतीय सम्मुल्लास में क्रमशः बाल शिक्षा व अध्ययनाध्यापन विषयों पर उपदेश किया है। तद्धेतर जो आर्यसमाजों द्वारा आर्षपाठविधि या पाठ्यक्रम चलाया उसकी भी विद्वानों द्वारा उचित मंचों पर प्रस्तुति और उसका विश्लेषण भी किया जाना चाहिए। यहां प्रस्तुत लेख में महर्षि जी द्वारा प्रस्तुत पठनपाठन विधि पर आधारित विचार रखने का दुस्साहस लेखक ने किया गया है। दुस्साहस इसलिए कि लेखक का शिक्षा अथवा शिक्षण विषय में अभ्यास नहीं है। प्रस्तुत विचार एक आम आदमी की बुद्धि में उत्पन्न प्रश्न व उत्तर की भाँति हैं। विद्वद्जनों की प्रतिक्रिया होगी तो उनकी महत् कृपा होगी।

महर्षि दयानंद (स्वयं द्वारा प्रतिपादित विधि में लिखते हैं कि व्याकरण, अष्टाध्यायी तदनन्तर महाभाष्य के पढ़ने से जितना बोध तीन वर्षों में होता है उतना बोध कुग्रंथों के पढ़ने से पचास वर्षों में भी नहीं हो सकता। जितनी विद्या इस रीति से तीस वा चौंतीस वर्षों में हो सकती है उतनी अन्य प्रकार से शत-वर्ष में भी नहीं हो सकती। यहां यह भी विशेष उल्लेखनीय है कि इसके अंतर्गत समस्त प्रकार की विद्याओं का उल्लेख ऋषि में किया है यथा आयुर्वेद, धनुर्वेद युद्धविद्या, राजविद्या, राजकार्य, न्याय, सैन्य विद्या, गांधर्ववेद, अर्थ व शिल्प विद्या, ज्योतिष, सूर्यसिद्धांतादि, हस्तक्रिया, यंत्रकला आदि। यह छोटी नहीं बड़ी बात है। यह ऋषि जी के विजन को दर्शाता है। इसमें उन्होंने मिथ्या ग्रथों को पढ़ने का उसी प्रकार निषेध किया है जिस प्रकार अति उत्तम अन्न विष से युक्त होने से छोड़ने योग्य होता है। अतः प्रयत्न पूर्वक सब सत्यविद्या को पदार्थविद्या के मौलिक ज्ञान के द्वारा सीखना चाहिए और इसकी वृद्धि करनी चाहिए इसी में जगत् का कल्याण है, इसी में सुख है। यही महर्षि दयानंद का उपदेश है, इस पर चलकर ही संसार की उन्नति संभव है। भोगग्रस्त, बाजारग्रस्त और युद्धग्रस्त दुनिया को सब की भलाई के लिए यह समझ लेना चाहिए।

(प्रो0 अविजित पाठक के विचार
दि ट्रिब्यून से साभार लिए हैं)।

प्रकाशक आचार्य विजयपाल गुरुकुल झज्जर ने आचार्य प्रिंटिंग प्रेस, दयानन्दमठ, गोहाना मार्ग, रोहतक में मुद्रक-डॉ० विक्रम सिंह शास्त्री के प्रबन्ध से छपवाया।

आप सादर आमंत्रित हैं

वेदाध्ययन के पवित्र पर्व श्रावणी (रक्षाबन्धन पर)

19 अगस्त को भारी संख्या में पहुंचकर तीर्थस्थल गुरुकुल झज्जर में यज्ञ एवं सत्संग का पुण्यलाभ प्राप्त कीजिए

सब सज्जनों को सूचित करते हुए हमें हार्दिक प्रसन्नता है कि आपका प्रिय रक्षाबन्धन पर्व जो श्रावणी के नाम से प्रसिद्ध है, 19 अगस्त 2024 सोमवार को प्रातः 7 से 12 बजे तक पूर्ण धार्मिक विधि से प्रतिवर्ष की भान्ति मनाया जा रहा है। भारत में दूसरे देशों की अपेक्षा त्यौहार मनाने की ऋषि-मुनियों की बनाई विशेष परम्परायें हैं, जो इस लोक को भी सुधारती हैं और परलोक को भी। उनमें वेदाध्ययन से सम्बन्धित श्रावणी पर्व भी एक है।

इस अवसर पर ब्रह्मचारियों के यज्ञोपवीत संस्कार, वेदारम्भ संस्कार तथा संसार के उपकार के व्रत लेने वाले धर्मनिष्ठ जनों को वानप्रस्थ एवं संन्यास दीक्षा में दीक्षित करने की भी योजना है एवं पुराने यज्ञोपवीत बदलकर नए यज्ञोपवीत धारण करने आदि के कार्यक्रम होंगे।

अतः आप सभी आर्य धर्मनिष्ठजनों से अनुरोध है कि इस शुभ अवसर पर अधिक से अधिक संख्या में सपरिवार एवं इष्ट मित्रों सहित पधारकर पुण्य के भागी बने एवं कार्यक्रम को सफल बनाएं। दूर से आने वाले सज्जन 18 अगस्त को ही सायंकाल तक गुरुकुल झज्जर में पधार सकते हैं।

निवेदक

महेन्द्र सिंह धनखड़	राजवीर सिंह आर्य	विजयपाल योगार्थी	डॉ. योगानन्द शास्त्री
उपप्रधान	मंत्री	आचार्य	कुलपति

फोन : 9416055044

आर.एन.आई. द्वारा रजि. नं. 11757
पंजीकरण संख्या- P/RTK/85-3/2023-25

सुधारक लौटाने का पता :-
गुरुकुल झज्जर, जिला झज्जर (हरयाणा)-124103
E-mail : gurukuljhajjar@gmail.com

ग्राहक संख्या

श्री ____________________

स्थान ____________________

डा० ____________________

जिला ____________________